c. म्राभ comprobare. Rigv. 10. 4.: स्तामाँ (v. gramm. min. ed. 2. §. 145. annot.) म्राभस्त्र «hymnos comproba».

с. सम् 1. vexare. Внатт. 9. 28.: (शत्रुं) संस्विरिषीष्ठाः प्रधनेः

ह्यू 9. P. स्त्रुणामि (हिंसने) laedere, occidere. स्त्रेच्छा f. (e स्त्र et उच्छा) liberum arbitrium. Hrr. 17.15. 40.18. Lass. 29.15.39.13.

स्वेद m. (r. स्विद् s. म्र) sudor (v. r. स्विद्). स्वेद न n. 1) (r. स्विद् s. म्रन) sudatio. 2) (Caus. r. स्विद् s. म्रन) actio faciendi ut quis sudet, actio calefaciendi. HIT. 70. 16.

स्कीर (ut videtur, e स्व et obsoleto derivato radicis र् र् र् र्)
Adj. liber, qui sui juris, suae potestatis. Subst. n. liberum arbitrium. N.21.13. SA.5.98. — स्किर्म् Adv. ad suum arbitrium. SAK. 25.

क्

ह particula expletiva. In. 1.37. Rigv. 88.5.121.2. हंस m. anser. N. 1.19. — Fem. हंसी. (Gr. χήν abjectâ syllabâ finali, lat. anser abjectâ litterâ initiali; germ. vet. gans f., Them. gansi, gensi, pertinet ad fem. हंसी, ita lith. z'asi-s f. et slav. gásj e gonsj (v. gr. comp. 255. g.). Hib. geadh «a goose», ganra «a gander» mutilatum esse videtur e gandra, cf. anglo-sax. gandra(n) anser mas, germ. vet. ganzo(n) id. e ganto(n); cambro-brit. gwyz, armor. gwaz, cum z = d.)

হৈ 1. P. (লিখি) splendere. (Hib. gath «a ray or beam».)

हरू 1. P. (बलात्कारे) violenter agere. V. sq.

हरु m. (r. हरू s. म्र) vis, violentia. Up. 30.

हत v. हन्.

हति f. (r. हन् s. ति) occisio, caedes. HIT. 38.16.

इद् 1. A. (पुरोषात्सर्गे म. उनर्थे v.) cacare.

1. ह्न्न् 2. P. (anom. v. gr. 357. et 694.) 1) pulsare, ferire, tundere. MAH. 1.6706.: तम् ऋषिम् ... जघान कशयाः DR. 5.7.: हिम् ... प्रपदेन हंसिः; MAH. 4.701. 2) saepissime occidere, interficere. H. 2.12.: हवे 'तान् मानुषान् सर्जान्ः 3. 7.: स्रहम् एनं हिनष्यामिः 3. 19. MAH. 2. 2539.: स्रहन् उर्योधनं हता शक्तां स हिनष्यति. Etiam A. MAH. 1.5579.: हिनष्ये — TBOP. delere, destruere, extinguere. BR. 2.3.: त्यथाञ् जहिः SA. 3. 11.: स्राशां ना 'हिस मे हतुम्ः 5. 17.: हतप्रभः — Caus. घातयामि occidendum, delendum, curare. BH. 2.

21: कथं स ... कङ्क घातयति हिन कम्; Man. 2.975. MAN. 8.34. — Desid. রিঘান (gr. 551.) occidere velle. NAL. 13. 8.: तिघांसत: — Sensu fut. verbi primitivi (cf. பூரு moriturus. Dr. 7.5.). H. 4.30.: அत्रा सम्प्रेषितां वां सपत्राञ् तिघांसितम् (हन् धन् q. v.; gr. ΘΑΝ, έθανον, θάνατος, θείνω; goth. dauthus mors, mutato n in u, v. gr. comp. 255. g. et 432., dau-ths mortuus, Them. dau-da = ਵ-ਰ e ਪ੍ਰਜ-ਰ; usdaudjan pugnare, div-ans morti obnoxius, debilitato a in i; germ. vet. dow-ên, tow-an mori, dô-t, tô-t mortuus, dôd, tôd mors; lat. FEND, offendo, defendo (Pott 1. 255.) c. $f = \{1, \text{ sicut in fumus, inferus, rufus, v. } \{1, 1\}$ স্থায়, মাখ্য; fortasse ferio mutatis liquidis n et r; hib. gonaim «I wound, sting, stab», fortasse gail «slaughter», mutatis liquidis n et l; gaillim «I hurt»; vid. A-धनः)

- c. ऋप abigere, depellere. Riov. 42.2.: ऋप स्म तम् प धो तहि. ४४०२. Man. 6.96.: सङ्यासेना 'पहत्यै 'नः
- c. 规印 i. q. simpl. Bh. 1. 13. A. 7.6.: (現记知识 v. gr. 324. gr. min. 293.); MAH. 1.7736.
- с. म्रव *ід.* Ман. 2. 915.: म्रन्योन्यज् जानुभिर् म्रवज-घतुः
- c. 771 id. Dr. 8.35.
- с. **आ** praef. **आ**भि *id*. Ман. 1. 8223.
- c. ग्रा praef. वि impedire. R. Schl. II. 10. 32.: न ते क-श्चिद्र ग्रभिप्रायं व्याहनुम् उत्सहेः 22. 25.: व्याहते